कुशाग्र जैन, जोस रुइज़ वाई ब्लास्को: पाब्लो पिकासो के पिता और कला शिक्षक- 3 मई 1808, कला समीक्षा , खंड 1,*अंक.* 2 (*मई* 2025), *पृ. 10 - 11*

जोस रुइज़ वाई ब्लास्को: पाब्लो पिकासो के पिता और कला शिक्षक

कुशाग्र जैन*

जोस रुइज़ वाई ब्लास्को (José Ruiz y Blasco) का जन्म 12 अप्रैल 1838 को स्पेन के मालागा़ शहर में हुआ था। वे एक चित्रकार, कला शिक्षक और पाब्लो पिकासो के पिता के रूप में प्रसिद्ध हैं। उनकी कला में मुख्य रूप से कबूतरों, फूलों और अन्य प्रकृति चित्रों का चित्रण था।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

जोस रुइज़ ने अपनी प्रारंभिक कला शिक्षा मालागा़ के स्थानीय हाई स्कूल से प्राप्त की थी, जहाँ उन्होंने चित्रकार जोस गार्सिया चिकानो से शिक्षा ली। इसके बाद, उन्होंने मालागा़ की प्रांतीय कला विद्यालय में अध्ययन किया और वहाँ से कला में अपनी शिक्षा पूरी की। वे 1875 से 1890 तक Escuela Provincial de Bellas Artes San Telmo में कला शिक्षक के रूप में कार्यरत रहे। इस दौरान, उन्होंने कबूतरों और फूलों के चित्र बनाए और मालागा़ के Museo Municipal में संरक्षक और पुनर्स्थापक के रूप में भी कार्य किया।

पाब्लो पिकासो पर प्रभाव

जोस रुइज़ ने पाब्लो पिकासो की कला प्रतिभा को जल्दी पहचान लिया था। उन्होंने पाब्लो को सात वर्ष की आयु में कला सिखाना शुरू किया था। पाब्लो ने आठ वर्ष की आयु में अपनी पहली पेंटिंग 'Le petit picador jaune' बनाई थी। 1892 में, उन्होंने पाब्लो को Coruña की Fine Arts School में दाखिला दिलवाया, जहाँ पाब्लो ने अपनी चित्रकला कौशल को विकसित किया। 13 वर्ष की आयु में, पाब्लो ने बार्सिलोना की Escuela de Bellas Artes में शिक्षा ली, जहाँ पाब्लो ने अपने पिता को कई चित्रों में मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। जोस रुइज़ ने पाब्लो की कला में मार्गदर्शन किया और 'Science and Charity' जैसी कृतियों में उनकी सहायता की।

व्यक्तिगत जीवन

जोस रुइज़ ने 42 वर्ष की आयु में 17 वर्ष छोटी मारिया पिकासो से विवाह किया। उनके तीन बच्चे थे: पाब्लो, डोलोरेस (लोला) और कोंचिता (कोंचिता की 7 वर्ष की आयु में डिप्थीरिया से मृत्यु हो गई)। पाब्लो की कला में उनके पिता की छवि स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, और पाब्लो ने अपने चित्रों में अक्सर अपने पिता को चित्रित किया।

कला और कार्य

जोस रुइज़ की कला में मुख्य रूप से कबूतरों, फूलों और अन्य प्रकृति चित्रों का चित्रण था। उन्होंने अपनी कला के माध्यम से प्राकृतिक सौंदर्य और जीवन के सरल पहलुओं को उजागर किया। उनकी कृतियाँ आज भी कला प्रेमियों और शोधकर्ताओं द्वारा सराही जाती हैं।

मृत्यु और विरासत

जोस रुइज़ वाई ब्लास्को का निधन 3 मई 1913 को बार्सिलोना में हुआ। उनकी कला और पाब्लो पिकासो पर उनके प्रभाव ने कला जगत में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। पाब्लो ने अपने जीवन में अपने पिता को एक प्रेरणा स्रोत माना और उनकी छवि को अपने चित्रों में जीवित रखा। उनकी कला और उनके पाब्लो पिकासो पर प्रभाव को आज भी कला प्रेमियों और शोधकर्ताओं द्वारा सराहा जाता है।

कुशाग्र जैन, जोस रुइज़ वाई ब्लास्को: पाब्लो पिकासो के पिता और कला शिक्षक- 3 मई 1808, कला समीक्षा , खंड 1,*अंक.* 2 (*मई* 2025), *पृ. 10 - 11*

जोस रुइज़ वाई ब्लास्को न केवल एक प्रतिभाशाली चित्रकार और शिक्षक थे, बल्कि उन्होंने अपने पुत्र पाब्लो पिकासो की कला यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी शिक्षा, मार्गदर्शन और समर्थन ने पाब्लो को एक महान कलाकार बनने में मदद की। उनकी कला और उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा।